श्री बलराम नरूला की सफलता का सफर

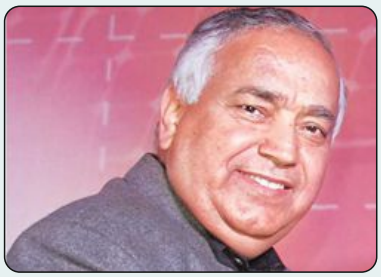

श्री बलराम नरूला का उद्योग, जैट निटवियर्स लि0, कानपुर में स्थित है। तथा श्री नरूला इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य होने के साथ –साथ आई0आई0ए0 में भी विभिन्न पदों पर सक्रिय रूप से कार्यरत रहकर अपना योगदान प्रदेश एवं देश के सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगो के उत्थान के लिए दे रहे है। आई0आई0ए0 में श्री नरूला पूर्व में उपाध्यक्ष तथा चेयरमैन टैक्सटाइल कार्यदल के पदों पर कार्यरत रहे है, वर्तमान में केन्द्रीय कार्यकारिणी समिति के चयनित सदस्य के रूप में वे अपनी स्वेच्छिक सेवॉए प्रदान कर रहे हैं।

श्री नरूला ने 1967 में होजरी स्प्लाई जाब वर्क का एक छोटा सा यूनिट कानपुर में स्थापित किया था जिसे आज इतनी बड़ी कम्पनी का आकार दे दिया है कि इनकी कम्पनी जैट निटनियर्स लि0 एन0एस0ई0 इमर्ज स्टॉक एक्सचेन्ज पर लिस्ट होने वाली उ0प्र0 की पहली कम्पनी बन गई है।

<u>विगत 49 वर्षो में श्री नरूला द्वाराएक जाब वर्क यूनिट से पब्लिक लि0 कम्पनी बनाने के सफर का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:</u>

1967 में पंजाब के अमृतसर जिले के सीमावर्ती कस्बे पट्टी से आकर नरूला परिवार कानपूर में स्थापित हुआ। उस समय परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। श्री बलराम नरूला ने माता– पिता की प्रेरणा से तथा बड़े भाई भूषण नरूला के कुशल निर्देशन में एक छोटा सा होजरी सप्लाई का जॉब वर्क यूनिट कानपूर में शुरू किया। माता–पिता और भाइयों की कड़ी मेहनत और टीम वर्क की भावना से पूरी लगन के साथ कार्य शुरू हुआ। वर्ष 1969 में जॉब वर्क से ऊपर उठते हुए अपना उत्पाद बनाना शुरू किया शुरुआत में जॉब वर्क के दौरान परिवार के जीवन यापन के लिए दो साल सिलाई मशीन भी बलराम नरूला द्वारा चलायी गयी, माता–पिता की प्रेरणा और बड़े भाई के सात्विक लीडरशिप में संस्थान की उन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ। कड़े संघर्ष के दिनों में भी क्वालिटी से कभी कोई समझौता श्री नरूला के संस्थान द्वारा नहीं किया गया और वे धैर्यपूर्वक धीरे धीरे उन्नति की सीढिया चढ़ते चले गए। वर्ष 1975 में जैट ब्रांड की स्थापना हुई। उनके द्वारा कार्य को सदैव पूजा समझते हुए ही किया गया। कहते है की कर्म की खुशबु कभी छिपती नहीं है। 2004 में प्रतिष्ठित संस्थान इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉली कानपुर द्वारा ये परीक्षित किया गया की जैट ब्रॉड ही एक मात्र स्किन फ्रेंडली उत्पादित ब्रांड है। संस्थान की कार्यशैली के फलस्वरूप वर्ष 1995 में जैट संस्थान को पहला **''राष्ट्रीय पुरस्कार''** प्राप्त हुआ उसके उपरान्त अनेक राष्ट्रीय एवं राजकीय पुरस्कारों से सम्मान प्राप्त हुआ। 1997 में संस्थान को भारत के राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा पुनः राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त भी श्री नरूला के संस्थान को समय–समय पर अनेक राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए जिनका विवरण निम्नवत है :–

<u>राज्य पुरस्कार:</u>

मंडलीय पुरस्कार 1993–94 , राजकीय पुरस्कार 2012–13, राजकीय पुरस्कार 2013–14, राजकीय पुरस्कार 2014–15, निर्यात पुरस्कार 2001–02. निर्यात पुरस्कार 2003–04

<u>राष्ट्रीय पुरस्कार</u>

राष्ट्रीय पुरस्कार क्वालिटी प्रोडक्शन 2003, राष्ट्रीय पुरस्कार रीसर्च एंड डेवलपमेंट 2005 , राष्ट्रीय पुरस्कार राजीव गाँधी क्वालिटी अवार्ड 2007, राष्ट्रीय पुरस्कार राजीव गाँधी क्वालिटी अवार्ड 2008, राष्ट्रीय पुरस्कार क्वालिटी प्रोडक्शन (निटवियर्स) 2009, राष्ट्रीय पुरस्कार क्वालिटी प्रोडक्शन (अंडरगारमेंट्स) प्रथम स्थान 2011

<u>अंतरास्ट्रीय पुरस्कार</u>

इंटरनेशनल क्वालिटी अवार्ड (गोल्ड केटेगरी) 2008

<u>रिकॉर्ड</u>

कंपनी का नाम वर्ष 2011 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हुआ ।

उपरोक्त सभी लेंडमार्क कम्पनी के सभी कर्णधारो की मेहनत, एकजुटता व सात्विक सोच का ही परिणाम है । 2002 में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैण्डर्ड द्वारा जैट को आई0एस0ओ0–9002 सर्टिफिएक्शन प्रदान किया गया। आई0एस0ओ0–9002 की प्राप्ति के उपरांत संस्थान की कार्यशैली निम्न चार स्तंभो पर टिकी हुई है–